एक करोड़ की फिरौती के लिये हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

वारदात का मास्टमाइंड मृतक हनुमान मीणा का बचपन का दोस्त ही निकला

जयपुर, (का.सं.)। राजधानी की सांगानेर थाना पुलिस ने एक करोड़ की फिरौती के लिये हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस वारदात का मास्टर माइंड मृतक का बचपन का वकील दोस्त निकला। उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर फिरौती के लिये उसका अपहरण किया था, लेकिन मुंह पर टेप ज्यादा लगने की वजह से उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने गुरूवार सुबह द्रव्यवती नदी से मृतक का शव बरामद कर लिया है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कैलाश चंद विश्नोई ने बताया कि सांगानेर थाना पुलिस ने अपहरण व हत्या की वारदात करने वाले सांगानेर निवासी बृजभान सिंह चौहान, योगेंद्र सिंह चौहान और दिवाकर टांक को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने मृतक हनुमान मीणा को कॉफी पीने के बहाने एक फ्लैट पर बुलाया था। इसके बाद उन लोगों ने फिरौती के लिये उसका अपहरण किया। इस दौरान मुंह पर टेप ज्यादा लगाने की वजह से हनुमान की मौत हो गई। आरोपितों ने पुलिस से बचने के लिए उसके शव को द्रव्यवती नदी में फेंक दिया था। जहां से आज उसे बरामद कर लिया गया। शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया था।

इस संबंध में 22 मई को परिवादी जगदीश मीणा ने सांगानेर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसका बेटा हनुमान मीणा घर से निकला था, जो वापस नहीं लौटा। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। इसके बाद 23 मई को जगदीश मीणा के बेटे के व्हाट्सएप नंबर से वीडिया कॉल आया था। जिसमें उसे बंधक बनाने का वीडियो दिखाया गया। आरोपियो ने इस दौरान एक करोड़ की फिरौती की मांग की। पुलिस ने इसके बाद अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस की जांच पड़ताल में सामने आया कि हनुमान मीणा का अपहरण उसके बचपन के दोस्त दिवाकर टांक ने अपने भाई योगेंद्र सिंह और बृजभान सिंह के साथ मिलकर किया था। इस दौरान मुंह पर ज्यादा टेप लगे होने से हनुमान की मौत हो गईं। ऐसे में आरोपितों ने शव को प्लास्टिक के कट्टे में डालकर 5-6 किलो वजनी लोहे के बांट के साथ द्रव्यवती नदी में फेंक दिया था। आरोपितों दिवाकर टांक पेशे से अधिवक्ता है और उसका मृतक के घर आना-जाना था। हनुमान सरस डेयरी में कम्प्यूटर ऑपरेटर का काम करता था। दिवाकर को पता था कि हनुमान पैसे वाला था। दिवाकर टांक व योगेन्द्र दोस्त थे। योगेन्द्र का बड़ा भाई बृजभान भी दिवाकर का जानकार था। दिवाकर ने योगेन्द्र व बृजभान को बताया था कि हनुमान का अपहरण कर मोटी रकम ऐंठी जा सकती है। इस पर योंगेन्द्र ने हनुमान के घर के पास सन स्क्वायर अपार्टमेंट में फ्लैट नम्बर 509 को साढ़े 13 हजार रुपये में किराये पर लिया। 22 मई को सुबह हनुमान से योगेन्द्र ने संपर्क कर मिलने के लिये कहा। योगेन्द्र से मिलने के लिये हनुमान सुबह सन स्क्वायर अपार्टमेंट आ गया। योगेन्द्र उसे बातों में उलझाकर चीलगाड़ी रेस्टोरेंट के पास अपने फ्लैट में ले गया, जहां बृजभान और दिवाकर पहले से मौजूद थे। तीनों ने पहले हनुमान को कॉफी पिलाई, फिर योगेन्द्र ने उसका मुंह बंद कर दिया। तीनों ने मिलकर उसके मुंह पर टेप लगाई इसके बाद उसके तड़पते हुए का वीडियो भी बनाया। इसी दौरान हनुमान की मौत हो गई।

सांगानेर थाना पुलिस ने हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को गुरूवार को गिरफ्तार किया है।

- मुंह पर टेप ज्यादा लगाने की वजह से हनुमान मीणा की मौत हो गई
- पुलिस ने गुरूवार को द्रव्यवती नदी से मृतक का शव बरामद किया

जिंदगी की लड़ाई हारने के बाद तीन लोगों को जीवनदान दे गई कविता

कविता यादव

- परिजनों ने ब्रेनडेड होने के बाद सीकर के सवाईपुरा पलसाना रेवासा की रहने वाली कविता यादव के अंगदान किए
- दो किडनी एसएमएस अस्पताल में और हार्ट दिल्ली के आर्मी हॉस्पीटल में प्रत्यारोपित किया गया
- 21 मई को वह घर पर ही कार्य करते समय बेहोश होकर गिर पड़ी थी।

जयपुर। सीकर जिले के सवाईपुरा पलसाना रेवासा की रहने वाली कविता यादव देवदूत बन गई। अस्पताल में वह भले जिंदगी की जंग हार गई लेकिन तीन लोगों को नया जीवनदान देकर चली गई। चिकित्सकों के अनुसार सवाई मानसिंह अस्पताल में दो किडनियों का सफल ट्रांसप्लांट कर दो लोगों की जान बचाई गई। उसके हार्ट को ग्रीन कोरिडोर बनाकर दिल्ली के आर्मी हॉस्पिटल भेजा गया, जहां उसे एक मरीज के प्रत्यारोपित किया गया।

कविता यादव एनएम के तौर पर सीकर में ही कार्यरत थी। 21 मई को वह घर पर ही कार्य करते समय बेहोश होकर गिर पड़ी थी। परिजन उसे सीकर के ही एसके अस्पताल में लेकर गए। वहां उसे पहले जयपुर के मनीपाल अस्पताल में लाया गया। इसके बाद सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। इसके बाद चिकित्सकों ने उसके परिजनों से कविता के अंगदान की समझाइश की तो, वे मान गए। फिर उसके हार्ट को दिल्ली के आर्मी हॉस्पीटल भेजा गया। वहीं दोनों किडनी एसएमएस अस्पताल में ही प्रत्यारोपित की गई।

किडनी प्रत्यारोपित करने के लिए यूरोलोजी विभाग की दो टीम ने एक साथ काम किया। इसमें डॉ. शिवम प्रियदर्शी, डॉ. नचिकेत व्यास, डॉ. नीरज अग्रवाल व एनेस्थेसिया विभाग से डॉ. वर्षा कोठारी तथा डॉ.इंदु वर्मा का सहयोग रहा। वहीं इस प्रोग्राम में सोटो टीम के मेंबर्स डॉ. सुधीर भंडारी, डॉ. अमरजीत मेहता, डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. अजीत सिंह वी रोशन बहादुर का विशेष योगदान रहा।

चिकित्सकों ने बताया कि कविता के हार्ट को दिल्ली स्थित आर्मी अस्पताल के मरीज को प्रत्यारोपित किया जाएगा। इसके लिए दिल्ली से एयरफोर्स के विशेष विमान से आर्मी अस्पताल के चिकित्सकों की टीम आयी थी। हार्ट को ग्रीन कोरिडोर बनाकर एसएमएस अस्पताल से एयरपोर्ट भेजा गया। वहां से एयरफोर्स के विशेष विमान से उसे दिल्ली ले जाया गया।

शराब सेल्समैन पर जानलेवा हमला

जयपुर (कासं)। वैशाली नगर इलाके में बुधवार रात बदमाशों ने एक शराब दुकान के सेल्समैन पर जानलेवा हमला कर दिया। नकाबपोश बदमाशों ने पाइप-सरिए से ताबडतोड वार कर उसे लहूलुहान कर दिया। जमीन पर बेहोश होकर गिरे सेल्समैन को मरा समझकर हमलावर भाग निकले। घायल सेल्समैन का गंभीर हालत में प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। वैशाली नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि खातीपुरा वैशाली नगर निवासी विजेन्द्र सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसके साथी सेल्समैन नन्दू सिंह (36) को जाने से मारने का प्रयास किया गया है। वह दोनों खातीपुरा तिराहा स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान पर सेल्समैन का काम करते है। रोजाना की तरह बुधवार रात 8 बजे दुकान बंद कर दोनों पास ही ग्रीन पार्क पर खाना खाने चले गए। रात करीब 9:45 बजे दोनों दुकान के बाहर खडी बाइक लेने वापस लौटे। इसी दौरान बाइक पर आए तीन लडके रूककर पता पूछने लगे। सेल्समैन नन्दू सिंह के पता बताने के दौरान दूसरी पर बाइक पर तीन नकाबपोश बदमाश आए। लोहे की पाइप-सरिए से नन्दू सिंह पर हमला कर दिया। पाइप-सरिए से ताबड़तोड़ वार कर उसे लहुलूहान कर दिया। जमीन पर लहूलुहान हालत में गिरा देकर मरा समझकर हमलावर फरार हो गए। घायल नन्दू को साथी सेल्समैन विजेन्द्र सिंह ने मरूधर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया।

गौ सेवा कर चतुर्वेदी ने जन्मदिन मनाया

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एव पूर्व केबिनेट मंत्री डा.अरूण चतुर्वेदी ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन गौसेवा एवं पक्षियों के लिए परिंडे बांधकर मनाया। इस अवसर पर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं सहित सिविल लाइन विधान सभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने अपने जननेता को बधाई दी।

जन्मदिन के उपलक्ष्य में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा के वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश माथुर, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, जयपुर ग्रामीण के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, जयपुर के सांसद रामचरण बोहरा, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, भाजपा के संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर , राज्य विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल, कैलाश चौधरी, गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्य विधान सभा में भाजपा के उपनेता डॉ. सतीश पूनिया, पूर्व विधान सभा उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह, विधायक नरपत सिंह राजवी, कालीचरण सर्राफ, निर्मल कुमावत, अशोक लाहोटी, पूर्व विधायक मोहन लाल गुप्ता, सुरेन्द्र पारीक, राजपाल सिंह शेखावत सहित पार्टी के सभी नेताओ ने शुभकामनाए दी। इससे पूर्व डॉ. चतुर्वेदी ने प्रात: कोशल्या दासजी की बगीची में गो सेवा कर गायों को चारा खिलाया। कलेक्ट्री सर्किल, बनीपार्क में पक्षियों के लिए परिंडे बांधे इसके बाद सुभाष नगर में बनीपार्क क्षेत्र के कार्यकर्ताओं द्वारा चतुर्वेदी का स्वागत किया गया।

कांग्रेस के जंगलराज में शांतिप्रिय राजस्थान अपराधों की पनाहस्थली बना : राजेन्द्र राठौड़

'मुख्यमंत्री के कमजोर नेतृत्व के कारण ही पुलिस को अपराधियों के समक्ष घुटने टेकने पड़ रहे हैं'

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले जोधपुर में अवैध बजरी के डंपर का पीछा करने पर बजरी माफियाओं द्वारा एसीपी को पहले जान से मारने की धमकी देना और फिर जानलेवा हमला करने की घटना बजरी माफियाओं के बुलंद हौंसलों को दर्शाता है। लाचार पुलिस प्रशासन की सुस्ती का आलम यह है कि अभी तक आरोपी उनकी गिरफ्त से कोसों दूर हैं।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के जंगलराज में शांतिप्रिय राजस्थान अपराधों की पनाहस्थली बन गया है जिसमें जोधपुर जिला जहां से मुख्यमंत्रीजी स्वयं आते हैं वहां अपराधी इस कदर बैखोफ हैं कि वह सरेराह पुलिस को धमकी दे रहे हैं, जानलेवा हमला कर रहे हैं और पुलिस उनसे लड़ने की बजाय भयक्रांत है। राज्य में अब खाकी भी सुरक्षित नहीं है और खाकी को ही सुरक्षा की दरकार है।

राठौड़ ने कहा कि जोधपुर में विगत 2 माह में पुलिस पर यह तीसरा हमला है। जब मुख्यमंत्रीजी जो गृह विभाग के भी मुखिया है उनके क्षेत्र में ही बजरी माफियाओं का आतंक लगातार खाकी को चुनौती देकर जानलेवा हमला कर रहा है तो अन्य जिलों की क्या स्थिति होगी, यह अत्यन्त चिंतनीय है। वास्तविकता यही है कि मुख्यमंत्रीजी के कमजोर नेतृत्व के कारण ही पुलिस को अपराधियों के समक्ष घुटने टेकने पड़ रहे हैं।

राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में एक और भ्रष्टाचार चरम पर है, महंगाई राहत कैंप आफत बने हुए हैं वहीं दूसरी ओर कानून व्यवस्था को भगवान भरोसे छोड़कर मुख्यमंत्री कैंपों का राजनीतिकरण कर खुद की ब्रांडिंग में लगे हुए हैं। जोधपुर में बजरी माफिया के दुस्साहस से एक दिन पूर्व ही जोधपुर मैं दिनदहाड़े क्रेशर व्यापारी की हत्या कर दी गई वहीं भरतपुर के कामां में भगवान परशुरामजी की शोभायात्रा पर पथराव कर सांप्रदायिक तनाव बिगाड़ा गया।

राठौड़ ने कहा कि पुलिस पर जब इस प्रकार से हमले होते रहे तो यह स्थिति ना तो पुलिस प्रशासन के लिए उचित है और ना ही आमजन के लिए। पुलिस पर हमले से पुलिसकर्मियों का भी मनोबल गिर रहा है और दहशतगर्दी के साये में जीने को मजबूर आमजन और ज्यादा स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

- 'जोधपुर में अवैध बजरी के डंपर का पीछा करने पर बजरी माफियाओं द्वारा एसीपी को पहले जान से मारने की धमकी देना और फिर जानलेवा हमला करने की घटना बजरी माफियाओं के बुलंद हौंसलों को दर्शाता है'

डॉ.सतीश पूनियां ने रोजगार मेले की टी-शर्ट लॉंच की

जयपुर । आमेर विधानसभा क्षेत्र के युवाओं के लिये 3 जून को कूकस में आयोजित होने वाले रोजगार मेला की जयपुर स्थित जनसंवाद केन्द्र राजस्थान विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के साथ टी-शर्ट की लॉन्चिंग की।

इसके बाद सतीश पूनियां ने अपने आमेर विधानसभा क्षेत्र के कूकस में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुये 3 जून को कूकस के आर्या कॉलेज में आयोजित होने वाले रोजगार मेला को लेकर विस्तार से चर्चा कर जानकारी दी। डॉ. पूनियां ने आमेर विधानसभा क्षेत्र के युवाओं से 3 जून को कूकस में आयोजित होने वाले रोजगार मेले में पहुंचने की अपील और आव्हान किया। उन्होंने कहा कि, गाइडेंस के अभाव में अनुभवी एवं दक्ष ग्रामीण युवाओं को रोजगार के संकट से जूझना पड़ता है, लेकिन आमेर विधानसभा क्षेत्र में तीन जून को विशेष रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा और इसके माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसमें ऐसे युवा लाभांवित होंगे जो कि आइटीआई स्किल्ड, दसवीं एवं बारहवीं पास और तकनीकी और ग्रेजुएट हैं। स्वरोजगार को प्रेरित करने वाले उपायों पर विचार करते हुए बड़ी कंपनियों से संपर्क कर आमेर विधानसभा क्षेत्र के युवाओं को लाभांवित करने का नवाचार किया जा रहा है।

'मंत्री धारीवाल ने चहेतों को आवंटित किए बंगले'

जयपुर । सांसद डॉक्टर किरोड़ी मीणा ने कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल पर करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है। डॉक्टर किरोड़ी ने स्किल डेवलपमेंट के नाम पर चहेतों को बंगले आवंटित करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इसमें पुनर्निर्माण नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए काले धन का उपयोग किया जा रहा है। डॉ किरोड़ी लाल मीना गुरुवार को अचानक एनआरआई कॉलोनी (राजआँगन) पहुँचे। डॉ मीना ने तथ्यों के साथ आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने चहेतों को राज आँगन कॉलोनी में भ्रष्टाचार से आवंटन कर करोड़ों रुपए का घोटाला किया। राजधानी में खुले आम भ्रष्टाचार से बंदरबाट जारी है। डॉ मीना ने कहा कि इस घोटाले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सबसे खास मंत्री धारीवाल पूरी तरह लिप्त है। डॉ मीना ने कहा की अशोक गहलोत ने शांति धारीवाल को नगरीय विकास मंत्री जिस उद्देश्य के लिए बनाया लगभग वो उदेश्य पूरा हो ही गया।

हाउसिंग बोर्ड के खण्ड-3 की राज आंगन योजना, प्रतापनगर मंत्री शांति धारीवाल ने अपने खास व्यक्ति अश्विनी आर जी मैमोरियल एज्यूकेशन सोसायटी कोटा को 2377.36 वर्ग मीटर जमीन दी है। जिसकी कीमत 45 करोड़ है उस जमीन को मात्र 6 करोड़ 18 लाख रु. में अपने खास व्यक्ति को जिसका उद्देश्य कौशल विकास एवं शिक्षा के क्षेत्र के उद्देश्य को पूरा करने हेतु आवंटन कर दी। जिस उद्देश्य से मंत्री ने यह बेशकीमती जमीन आवंटित की वहां वह कार्य नहीं होता वहां ना तो कौशल विकास का कार्य होता, ना ही कोई शिक्षा का। आवंटी ने वहां विशाल बंगला बना लिया है जहां देर रात तक शराब पार्टियां आये दिन चलती रहती हैं। पहले इस जमीन को अलग संस्था में रजिस्ट्रेशन कराकर आवंटन कराने की कोशिश की गई लेकिन वो पॉलिसी के नियमों में नही फिट हो रही थी क्योंकि उसके लिए 2500 मीटर की भूमि होना जरूरी था, फिर इसको वापिस बदलकर कौशल विकास में लगाकर आवंटन करा लिया। इस जमीन हेतु 12 मार्च 2020 आवेदन की फाईल लगाई गई जिसके आवंटन के लिए सभी अफसरों को एक जगह बुलाकर 20 मार्च 2020 को एक साथ नोटशीट पर 20 हस्ताक्षर किए। आखिर ऐसी क्या जल्दी थी जो नोट शीट पर एक साथ 20 हस्ताक्षर कराये गये, 45 दिन बाद फिर एक दिन इनके खास अधिकारियों की मीटिंग होती है और बाकी के हस्ताक्षर 13 मई 2020 को एक ही साथ एक ही दिन में हो जाते हैं। इस जमीन के आवंटन में लेन-देन की बात नही बनती है तो सात दिन बाद वो फाईल शांति धारीवाल के पास जाती है तो उनके द्वारा फाइल पर लिख दिया जाता है कि नोटशीट अवलोकनार्थ संलग्न है, पैसों की लेन-देन की मांग पूरी हो जाती है तो एक महिने बाद ही 12 जून 2020 में जमीन को धारीवाल द्वारा आवंटन कर दिया, इसका क्या मतलब है?

चाकसू नगर पालिका चेयरमैन का चुनाव रद्द करने वाले आदेश पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जिला न्यायालय जयपुर महानगर प्रथम के गत बीस अप्रैल के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें अदालत ने चाकसू नगर पालिका चेयरमैन कमलेश कुमार बैरवा के चुनाव को रद्द कर दिया था। जस्टिस नरेन्द्र सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश कमलेश कुमार बैरवा की अपील पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि चाकसू नगर पालिका में चुनाव से पहले अपीलार्थी ने निर्माण कार्य पूरा कर दिया था और पालिका ने उसे एनओसी भी जारी कर दी थी। वहीं जिला न्यायालय की ओर से उसके चुनाव को रद्द करने के बाद स्टेट इलेक्शन कमीशन ने गत 11 मई को आदेश जारी कर उपचुनाव की अधिसूचना जारी कर दी। अपील में यह भी कहा गया कि निचली अदालत में चुनाव याचिका पेश करने वाला व्यक्ति के चार संतान है और वह स्वयं ही चुनाव लडने के लिए अयोग्य है। इसके अलावा अपील के निस्तारण में लंबा समय लगेगा। इसलिए उसके निर्वाचन रद्द करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगाई जानी चाहिए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने अपील के निस्तारण तक निचली अदालत के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है।

मानसरोवर से मान्यावास रोड निर्माण के आदेश पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एकलपीठ के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें एकलपीठ ने मानसरोवर से मान्यावास जाने वाली सौ फीट चौडी रोड का निर्माण तीन माह में करने को कहा था। एक्टिंग सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस अनिल उपमन की खंडपीठ ने यह आदेश पूरणमल सैनी व अन्य की अपीलों पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में कहा गया कि मास्टर प्लान में बदलाव कर सडक की चौडाई को कम नहीं किया जा सकता और किसी को फायदा पहुंचाने के लिए रोड का अलाइनमेंट भी नहीं बदला जा सकता।

पार्षदों ने शोर-शराबे में गुजारा पूरा दिन, बजट पर चर्चा एक माह टली

खेल अकादमी, ऑडिटोरियम व दो मंजिला पार्किंग बनाने और सामुदायिक केन्द्रों के विकास के लिए पैसा कहां से आएगा, इसका भी कोई रोडमैप नहीं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । ग्रेटर निगम में करीब सवा साल बाद हुई साधारण सभा की बैठक हंगामे की भेंट चढ़कर रह गई। कांग्रेस-भाजपा पार्षदों ने पूरा दिन शोर-शराबे और हंगामे में गुजार दिया, इसके चलते शहर में सड़कें बनाने और वार्डों में विकास कार्य कराने जैसे अहम मुद्दे पर चर्चा तक नहीं हो सकी। अब महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने 27 जून तक बोर्ड मीटिंग स्थगित कर दी हैं, कहा जा रहा है कि इस प्रस्ताव पर तभी चर्चा होगी।

विडंबना यह है कि दिनभर में जयपुर ग्रेटर निगम द्वारा खेल अकादमी, ऑडिटोरियम व मुख्यालय भवन में दो मंजिला बेसमेंट पार्किंग बनाने और सामुदायिक केन्द्रों के विकास के लिए जो चर्चा हुई, उसके लिए भी पैसा कहां से आएगा और कितने समय में कौनसा प्रोजेक्ट पूरा होगा, इसका कोई रोडमैप नहीं दिखा।

उपमहापौर पुनीत कर्णावट और वित्त समिति की अध्यक्षा शील धाबाई ने कहा कि अगर अधिकारी बैठक में इन प्रोजेक्ट्स की डी.पी.आर. भी रखते और बजट कहां से आएगा, इसके बारे में भी जानकारी देते तो ज्यादा अच्छा रहता।

सामुदायिक केन्द्रों के विकास के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान शील धाबाई ने मेयर से कहा कि इसे लेकर बजट कहां से आएगा, इसके बारे में भी बता दीजिए। इस पर मेयर ने कहा कि आप पॉजिटिव चर्चा होने दीजिए। शील धाभाई ने कहा कि मैं तो पॉजिटिव ही बात ही कर रही हूं।

चेयरमैन प्रवीण यादव ने अजमेरी गेट से लेकर मुख्य टोंक रोड को मैकेनिकल स्वीपिंग के नाम पर एन.एस. कंपनी को मुफ्त विज्ञापन के लिए देने का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बोर्ड मीटिंग में जयपुर शहर के सर्किल, डिवाइडर, तिराहे-चौराहे को विकास के लिए समितियों व कंपनियों को गोद देने का प्रस्ताव है, लेकिन यह कार्य जनसेवा का ही होना चाहिए। जब जयपुर शहर में नगर निगम प्रशासन रोड स्वीपिंग का काम करवा रहा है, तो फिर एन.एस. एडवरटाइजिंग को मुख्य टोंक रोड का काम क्यों दे रखा है, इसके बदले कंपनी को इस रोड पर विज्ञापन लगाने की छूट है। टोंक रोड पर होर्डिंग्स साइट्स की कीमत करोड़ों रुपये में है, जोकि इस कंपनी पर नगर निगम की खुली मेहरबानी दर्शाता है।

खेल अकादमी और ऑडिटोरियम बनाने के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान एक पार्षद ने कहा कि नगर निगम के पास पार्षद कार्यालय बनाने की जमीन तक तो है नहीं, फिर भी सपने ऐसे दिखाए जा रहे हैं। यह काम कब पूरा होगा, इसका कोई अता-पता नहीं है।

जयपुर के श्मशान घाटों पर नि:शुल्क गौकाष्ठ मुहैया करवाने के मुद्दे पर पक्ष-विपक्ष के पार्षद एकजुट नजर आए। ई-व्हीकल चार्जिंग के लिए निगम मुख्यालय और जोन कार्यालयों में प्वाइंट बनाने का सुझाव आया।

इससे पहले आज सुबह बैठक तय समय से एक घंटे देरी से शुरू हुई। बैठक की शुरुआत में ही पक्ष व विपक्ष के सदस्यों ने सीट पर लगे माइक के ठीक से काम नहीं करने की बात कहकर हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान कांग्रेस के पार्षदों ने अपनी आवाज दबाने की बात कही तो भाजपा के पार्षदों ने अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया।

इस पर मेयर सौम्या गुर्जर ने भी माइक ठीक से काम नहीं करने को लेकर अधिकारियों से नाराजगी जताई। उसके बाद वैकल्पिक माइक की व्यवस्था करके साधारण सभा की बैठक शुरू हुई। बैठक की शुरूआत में मेयर सौम्या गुर्जर विपक्ष से ज्यादा पक्ष के सदस्यों के निशानें पर रही। प्रस्तावों पर बोलने की व्यवस्था को लेकर जहां विपक्ष ने मेयर पर भेदभाव का आरोप लगाया तो पक्ष के वरिष्ठ पार्षद रामवतार ने तो मेयर सौम्या गुर्जर को सदन नियमों से चलाने की हिदायत ही दे डाली। दरअसल साधारण सभा की बैठक में 21 में से मात्र 15 प्रस्तावों पर चर्चा हो सकी।

बैठक की शुरूआत में मेयर डॉ. सौम्या ने व्यवस्था दी थी कि एक सदस्य एक ही प्रस्ताव पर बोलेगा, जिससे सभी सदस्यों को बोलने का मौका मिले। लेकिन भाजपा के पार्षद रामवतार ने कहा कि सदन को चलाने के नियमों के तहत कोई भी सदस्य कितने भी प्रस्तावों पर बोल सकता है। भाजपा पार्षद जितेन्द्र श्रीमाली ने भी इसका समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि जो पार्षद एक से ज्यादा प्रस्तावों पर बोलने की तैयारी करके आए है। उनकी क्या गलती है। जो पार्षद नहीं बोलना चाहते है वो ना बोले। लेकिन जो पार्षद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेना चाहते है। उन्हें मौका दिया जाना चाहिए।

- उपमहापौर पुनीत कर्णावट और वित्त समिति की अध्यक्षा शील धाबाई ने कहा कि अगर अधिकारी बैठक में इन प्रोजेक्ट्स की डी.पी.आर. भी रखते और बताते कि बजट कहां से आएगा तो ज्यादा अच्छा रहता
- चेयरमैन प्रवीण यादव ने अजमेरी गेट से लेकर मुख्य टोंक रोड को मैकेनिकल स्वीपिंग के नाम पर एन.एस. कंपनी को मुफ्त विज्ञापन के लिए देने का मुद्दा उठाया

कलयुगी पिता ने किया बेटी से दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। जयसिंहपुरा खोर इलाके में एक बाप ने अपनी नाबालिग बेटी को ही हवस का शिकार बना लिया। पुलिस ने बताया इलाके निवासी 16 वर्षीया किशोरी ने रिपोर्ट दी है कि 9 मई को मां, छोटे भाई को लेकर ननिहाल गई थी।

घर में छोटा भाई, बहन और पिता मौजूद थे। आरोप है 11 मई की रात करीब 12 बजे पिता जबरन उसके बगल में लेट गया और अश्लील हरकत करने लगा। उसने विरोध किया लेकिन पिता नहीं माना और दुष्कर्म किया।

घटना के बारे में किसी को बताने पर धमकी दी। पीड़िता ने अपनी मां को यह बात बताई तो उसने कहा तेरे पिता ऐसे नहीं है। वह ऐसा नहीं कर सकते, इसका क्या सबूत है।

प्रधानमंत्री मोदी की सभा के लिए लोगों को दिया निमंत्रण

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनकल्याण को समर्पित नौ वर्ष पूर्ण होने पर अजमेर के कायड़ विश्राम स्थली में आयोजित होने वाली आम सभा की तैयारियों को लेकर भाजपा ने तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली है। शहर को चप्पे-चप्पे पर भाजपा के झंडे और बैनर से सजाया जा रहा है।

प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के नेता तैयारियों में जुट गए हैं, कायड़ विश्राम स्थली के सभास्थल पर पंडाल, आर्डिनेशन के लिए कंट्रोल रूम बनाया गया है। कंट्रोल रूम के संपर्क मे राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला पदाधिकरी व आम कार्यकर्ता जुड़े रहेंगे।

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ अजमेर व इसके समीपवर्ती सभी जिलों के लगातार प्रवास पर है। बैठकों के माध्यम से आम सभा में होने वाली व्यवस्थाओं व अधिकाधिक संख्या में आमजन को आम सभा से जोड़ने के लिए वृहद स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने केकड़ी की बैठक में कार्यकर्ताओं व आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के इस कुशासन से प्रदेश की जनता त्रस्त है, अब राजस्थान की जनता इस कांग्रेस से राहत चाहती है। कांग्रेस का यह राहत शिविर एक ढकोसला मात्र है, जिस कांग्रेस को साढ़े चार साल तक राजस्थान की जनता याद नहीं आई, वह कांग्रेस अब चुनाव से पहले जनता को झूठी घोषणाएं कर खुश करने की कोशिश मे जुटी है, लेकिन राजस्थान की जनता कांग्रेस के झूठे वादों में नहीं आकर आने वाले चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाएगी।

बैठक में ओंकार सिंह लखावत, देहात जिलाध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा, महेंद्र सिंह मंझेवला, शत्रुघ्न गौतम, राजेंद्र विनायका, मिथिलेश गौतम, होनार सिंह राठौड़, गोपाल धोबी, रायचंद बागड़ी सहित अनेक कार्यकर्ता व आमजन उपस्थित रहे।

भाजपा संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर,नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड, ने अजमेर पेराफेरी क्षेत्र के लगभग 70 गांवों के कार्यकर्ताओं की बैठक में चंद्रशेखर ने कहा अजमेर फेराफेरी क्षेत्र से लाखों की संख्या मे आमजन अपने निजी साधनो के माध्यम से सभा स्थल तक पहुंचेंगे। हर घर से व्यक्ति मोदी की सभा में पहुंचने का आव्हान किया। पेराफेरी क्षेत्र के गांव के लिए प्रमुख नियुक्त किये बैठक में अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी, ओकार सिंह लखावत, देवी शंकर भूतड़ा, पुष्कर विधायक सुरेश सिंह रावत, प्रभारी वीरम देव सिंह, सरिता गेना, हरिराम बाना, पूर्व देहात अध्यक्ष भगवती प्रसाद सारस्वत, महामंत्री जीतमल प्रजापत, शक्ति सिंह रावत, महेंद्र सिंह मेझवला हरिराम बाना, जिलाध्यक्ष सरपंच संघ अजमेर, जिला सदस्य, प्रधान, सरपंच, सदस्य, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।